स्वच्छ पर्यावरण बिना स्वस्थ रहना संभव नहीं : प्रो. कुहाड़

ह.कें.वि. में जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

दीप प्रज्वलित करते कुलपति आर.सी कुहाड़। मोहन

महेंद्रगढ़, 22 नवम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में बुधवार से 'जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण' की अवधारणा पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के पृथ्वी, पर्यावरण एवं अंतरिक्ष अध्ययन पीठ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यातिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ और विशिष्ट अतिथि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के उप-महानिदेशक डा. एस.डी. अत्री व बरकतउगा विश्वविद्यालय के प्रो. हनुमान सिंह यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज समूचे विश्व समुदाय के समक्ष चुनौतीपूर्ण विषय बना हुआ है और स्वच्छ पर्यावरण बिना बेहतर स्वास्थ्य की कल्पना संभव नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वच्छता के मामले में पर्यावरण भी एक अहम पहलू है, जिसे नजरअंदाज करते हुए श्रेष्ठ भारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती है।

कुलपति ने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुक्सान का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली की हवा बीते दिनों इतनी प्रदूषित हो चुकी थी कि सुबह की सैर भी स्वास्थ के लिए नुक्सानदेह हो गई थी। प्रो. कुहाड़ ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण के महत्व को समझे और उसके प्रति अपने आसपास जागरूकता फैलाए।

सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि प्रो. हनुमान सिंह यादव ने जलवायु परिवर्तन को एक अहम विषय बताते हुए इस पर विस्तार से चर्चा की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुक्सान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था भी जिम्मेदार है और जहां तक बात किसानों की है तो वह इसके लिए वे नाममात्र ही जिम्मेदार हैं।

इसी कड़ी में भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप महानिदेशक डा. एस.डी. अत्री ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि पर्यावरण को बचाने की दिशा में हम सभी मिलकर काम करें। सम्मेलन में अकादमिक एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा ने भी जलवायु परिवर्तन और संस्टेनेबल एन्वायरनमैंट विषय को अहम बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, उसे देखते हुए समाधान हेतु अब जमीनी स्तर पर काम करना होगा।

सम्मेलन की संयोजक डा. मोना ने 2 दिनों तक होने वाली चर्चा के विषयों का ब्यौरा देते हुए बताया कि इस सम्मेलन में मुख्य रूप से 6 पहलुओं पर चर्चा होगी। यह विषय एन्वायरनमैंट, क्लाईमेट चेंज एंड सस्टेनैब्लिटी, रिन्यूएबल एनर्जी टैक्नोलॉजी, वैस्ट मैनेजमैंट एंड ट्रीटमैंट, भौतिक भूगोल, मानव भूगोल और जियो इंफार्मैटिक्स है। मंच का संचालन शिक्षा विभाग की किरण सायना ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. खेराज ने दिया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह व प्रो. नवल किशोर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी व शोधार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सम्मेलन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण विषय पर केंद्रित सम्मेलन, विशेषज्ञों ने किया आगाह, बोले-

पर्यारण संरक्षण के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत : डॉ. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार से 'जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण' की अवधारणा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। पृथ्वी, पर्यावरण एवं अंतरीक्ष अध्ययन पीठ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने किया। केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक डॉ. एसडी अत्री व बरकतउल्ला विवि के प्रो. हनुमान सिंह यादव कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। सम्मेलन की संयोजक डॉ. मोना ने बताया कि इस सम्मेलन में मुख्य रूप से छह पहलुओं पर चर्चा होगी। यह विषय एन्वायरमेंट, क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबिलिटी, रिन्युएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी, वेस्ट मैनेजमेंट एंड ट्रीटमेंट, भौतिक भूगोल, मानव भूगोल और जियो इंफॉर्मेटिक्स है। मंच का संचालन शिक्षा विभाग की किरण सायना ने किया। प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज समूचे विश्व के लिए चुनौतीपूर्ण बना हुआ है और स्वच्छ पर्यावरण बिना बेहतर स्वास्थ्य की कल्पना संभव नहीं है। कुलपति ने उद्घाटन सत्र में कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि दिल्ली की हवा बीते दिनों इतनी प्रदूषित हो चुकी थी कि सुबह की सैर भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो गई थी। प्रो. कुहाड़ ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण के महत्व को समझें और उसके प्रति अपने आसपास जागरूकता फैलाएं। फिहाल हर मोर्चे पर गंभीरता के साथ काम करने की जरूरत है। प्रो. कुहाड़ ने इस सम्मेलन में होने वाली चर्चा और मिलने वाले उपयोगी सुझावों को संबंधित विभाग व मंत्रालय तक पहुंचाने पर भी जोर दिया।

महेंद्रगढ़. सेमिनार को संबोधित करते कुलपति व मुख्यातिथि प्रो. आर. सी. कुहाड़।

पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था भी जिम्मेदार

सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि प्रो. हनुमान सिंह यादव ने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था भी जिम्मेदार है और जहां तक बात किसानों की है तो वह इसके लिए वे नाममात्र ही जिम्मेदार हैं। यदि किसान फसल से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण की वैज्ञानिक तकनीक से अवगत हों तो फसल अपशिष्ट से पर्यावरण को नुकसान से बचाया जा सकता है। केंद्रीय मौसम विज्ञान विभाग के उप महानिदेशक डॉ. एसडी अत्री ने कहा कि यदि जल्द ही वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू नहीं पाया गया तो सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। सम्मेलन में अकादमिक एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा ने कहा कि जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, उसे देखते हुए समाधान हेतु अब जमीनी स्तर पर काम करना होगा। अंत में सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. खेराज ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह व डॉ. नवल किशोर सहित विवि के शिक्षकगण, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित थे।

स्वच्छ पर्यावरण के बिना स्वस्थ रहना संभव नहीं : प्रो. कुहाड़

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार से ''जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण'' की अवधारणा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के उपमहानिदेशक डॉ. एसडी अत्री एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रो. हनुमान सिंह यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली की हवा बीते दिनों इतनी प्रदूषित हो चुकी थी कि सुबह की सैर भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो गई थी। उन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों से कहा कि पर्यावरण के महत्व को समझें और उसके प्रति अपने आसपास जागरूकता फैलाएं। , जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में पूंजीवादी व्यवस्था जिम्मेदार: विशिष्ट अतिथि प्रो. हनुमान सिंह यादव ने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था भी जिम्मेदार है। जहां तक बात किसानों की है तो वह इसके लिए वे नाममात्र ही जिम्मेदार हैं। यदि किसान फसल से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण की वैज्ञानिक तकनीक से अवगत हों और उन्हें वह आसानी से उपलब्ध हो जाए तो पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप महानिदेशक डॉ. एसडी अत्री ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि पर्यावरण को बचाने की दिशा में हम सभी मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि इन दिनों बोतल बंद पानी का प्रयोग दिखाता है कि हम पानी को किस हद तक प्रदूषित कर चुके हैं। ऐसे में यदि जल्द ही वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू नहीं पाया गया तो सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। सम्मेलन में अकादमिक एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. ए.जे. वर्मा ने भी जलवायु परिवर्तन और संस्टेनेबल एन्वायरमेंट विषय को अहम बताया।

हकेविवि में दीप प्रज्वलित करते कुलपति।

पर्यावरण प्रदूषण के लिए पूंजीवादी व्यवस्था जिम्मेदार

हकेंवि में जलवायु परिवर्तन व स्वच्छ पर्यावरण पर सम्मेलन शुरू

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रो. हनुमान सिंह यादव ने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था अधिक जिम्मेदार है। यदि किसान फसल से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण की वैज्ञानिक तकनीक से अवगत हों और उन्हें वह आसानी से उपलब्ध हो तो पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

प्रो. हनुमान सिंह यादव हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट पाली (महेंद्रगढ़) में बुधवार से 'जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण' की अवधारणा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रहे थे। गौर हो कि हाल ही में एनसीआर सहित करीब आधे हरियाणा को स्मॉग ने कई दिनों तक घेरे रखा। इसके लिए किसानों द्वारा धान की फसल के अपशिष्ट पराली जलाने को जिम्मेदार माना जा रहा था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप-महानिदेशक डॉ. एसडी अत्री भी सम्मेलन में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

इससे पूर्व सम्मेलन की शुरुआत करते हुए हकेंवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन विश्व के समक्ष चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा स्वच्छ पर्यावरण के बिना श्रेष्ठ भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

प्रो. कुहाड़ ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों से अपील की कि पर्यावरण के महत्व को समझें और उसके प्रति अपने आसपास जागरूकता फैलाएं, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो सके। पर्यावरण स्वच्छ रखने के संबंध में विस्तृत मानक और गाइडलाइंस उपलब्ध है, जरूरत है इन्हे सख्ती के साथ अमल में लाने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. आरसी कुहाड़ ● जागरण

डॉ. एसडी अत्री ने कहा कि पर्यावरण बचाने की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा। इन दिनों बोतलबंद पानी का प्रयोग दिखाता है कि हम पानी को किस हद तक प्रदूषित कर चुके हैं। ऐसे में यदि जल्द ही वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू नहीं पाया गया तो सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भी विश्व समुदाय के समक्ष आतंकवाद के साथ जलवायु परिवर्तन को एक समस्या बता चुके हैं। अकादमिक एवं शोध अधिष्ठाता प्रो. एजे वर्मा ने भी जलवायु परिवर्तन और सस्टेनेबल एंवायरमेंट विषय को अहम बताया। जिस तरह से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, उसे देखते हुए समाधान हेतु अब जमीनी स्तर पर काम करना होगा। सम्मेलन की संयोजक डॉ. मोना ने बताया कि इस सम्मेलन में मुख्य रूप से एंवायरमेंट, क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेब्लिटी, रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी, वेस्ट मैनेजमेंट एंड ट्रीटमेंट, भौतिक भूगोल, मानव भूगोल और जियो इंफोरमेटिक्स पर चर्चा होगी।

जलवायु परिवर्तन व स्वच्छ पर्यावरण विषय पर सम्मेलन शुरू

स्वच्छ पर्यावरण बिना स्वस्थ रहना संभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार से जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ पर्यावरण की अवधारणा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के पृथ्वी, पर्यावरण एवं अंतरीक्ष अध्ययन पीठ द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ और विशिष्ट अतिथि भारत मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी के उप-महानिदेशक डा. एसडी अत्री व बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रो. हनुमान सिंह यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज समूचे विश्व समुदाय के समक्ष चुनौतीपूर्ण विषय बना हुआ है और स्वच्छ पर्यावरण बिना बेहतर स्वास्थ्य की कल्पना संभव नहीं

महेंद्रगढ़। सम्मेलन में सब्सट्रेक्ट जारी करते मुख्य अतिथि व अन्य। फोटो: हरिभूमि

है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान का जिक्र करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वच्छता के मामले में पर्यावरण भी एक अहम पहलू है, जिसे नजरअंदाज करते हुए श्रेष्ठ भारत की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। पर्यावरण से हो रहे नुकसान का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली की हवा बीते दिनों इतनी प्रदूषित हो चुकी थी कि सुबह की सैर भी स्वास्थ के लिए नुकसानदेह हो गई थी। इस संबंध में विस्तृत मानक और गाइडलाइंस उपलब्ध है, बस जरूरत है इन्हे सख्ती के साथ अमल में लाने की। प्रो. कुहाड़ ने इस राष्ट्रीय सम्मेलन में होने वाली चर्चा और उससे मिलने वाले उपयोगी सुझावों को संबंधित विभाग व मंत्रालय तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि प्रो. हनुमान सिंह यादव ने जलवायु परिवर्तन को एक अहम विषय बताते हुए इस पर विस्तार से चर्चा की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए पूंजीवादी व्यवस्था भी जिम्मेदार है और जहां तक बात किसानों की है तो वह इसके लिए वे नाममात्र ही जिम्मेदार है। यदि किसान फसल से निकलने वाले अपशिष्ट के निस्तारण की वैज्ञानिक तकनीक से अवगत हों और उन्हें वह आसानी से उपलब्ध हो तो फसल अपशिष्ट से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। इसी कड़ी में भारत मौसम विज्ञान विभाग के उप महानिदेशक डा. एसडी अत्री ने कहा कि यह बेहद जरूरी है कि पर्यावरण को बचाने की दिशा में हम सभी मिलकर काम करें। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह व प्रो. नवल किशोर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी व शोधार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।